EXAM MADE EASY

Social Work Syllabus

20. समाज कार्यः प्रथम प्रश्न - पत्र समाजकार्यः दर्शन एवं प्रणालियां

समाजकार्य : अर्थ उद्देश्य, विषय क्षेत्र, मान्यताएं एवं मूल्य, इंग्लैण्ड, अमेरिका एवं भारत समाजकार्य का इतिहास। **समाजकार्य दर्शनः** प्रजातांत्रिक (समानता, न्याय, स्वतंत्रता एवं भ्रातृत्व) तथा मानवतावादी मानवाधिकरी मैट्रिक्स। **व्यवसाय के रूप में समाज कार्य** : वैयक्तिक सेवा कार्य-अर्थ, विषय क्षेत्र, सिद्धान्त, प्रक्रियाएं मनोसामाजिक अध्ययन, निदान, उपचार, लक्ष्य निर्धारण एवं उपचार की प्राविधियां (मूल्यांकन, अनुवर्ती) प्रयास एवं पुनर्वासन। **सामूहिक सेवा कार्य** : अर्थ उद्देश्य सिद्धान्त, निपुणताएं, प्रक्रियाएं (अध्ययन निदान, उपचार एवं मूल्यांकन) कार्यक्रम नियोजन एवं विकास, सामूहित सेवा कार्यकर्ता की भूमिका, नेतृत्व का विकास। **सामुदायिक संगठन** : अर्थ उद्देश्य सिद्धान्त अभिगमन, सामुदायिक संगठनकर्ता की भूमिका। **समाजकल्याण प्रशासन** : अर्थ, विस्तार, क्षेत्र, तत्वाधान, निजी एवं सरकारी सिद्धान्त, मूल प्रशासकीय प्रक्रियाएं एवं व्यवहार, निर्णय लेना, सम्प्रेषण, नियोजन, संगठन बजट एवं वित्तीय नियंत्रण, प्रतिवेदन। **समाजकार्य शोध** : अर्थ, उद्देश्य, प्रसाद, विषय, क्षेत्र, वैज्ञानिक पद्धति, शोध समस्या का चयन एवं प्रतिपादन, शोध प्ररचना, आंकड़ा संग्रह के स्त्रोत एवं ढंग आंकड़ों का संसाधन, विश्लेषण एवं निर्वचन, प्रतिवेदन आलेख। **सामाजिक क्रिया** : अर्थ विषय क्षेत्र, अभिगम (सर्वोदय, अन्त्योदय इत्यादि) तथा रणनीतियां।

समाज कार्यः द्वितीय प्रश्न - पत्र

भारत में सामाजिक समस्याएं एवं समाजकार्य के क्षेत्र-विवाह, परिवार एवं जाति सम्बन्धी समस्याएं : दहेज, बाल-विवाह, तलाक, कार्यरत दम्पत्तियों वाले परिवार, प्रवासी कार्यकर्ताओं वाले परिवार, स्त्री-पुरूष असमानता, अधिकार प्रभुत्व, परिवार संरचना, जाति व्यवस्था में प्रमुख परिवर्तन एवं जातिवाद की समस्या। **निर्बल वर्गो से सम्बन्धित समस्यायें**: बच्चों, महिलाओं वयोवृद्धों, बाधितों, पिछड़े वर्गो (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछडे वर्गो) की समस्यायें। **विचलन की समस्या**: भगोड़ापन, अवारागर्दी एवं किशोर अपचार, अपराध, सफेदपोश अपराध, संगठित अपराध, सामूहिक हिंशा, उग्रवाद, वेश्यावृत्ति, लिंग सम्बन्धी अपराध। **सामाजिक बुराइयां**: मद्यपान, मादक द्रव्य व्यसन, भिक्षावृत्ति, भ्रष्टाचार, सम्प्रदायवाद। **सामाजिक संरचना की समस्यायें**: निर्धनता, बेकारी, बन्धुआ मजदूरी, बाल-श्रम, मलिन बस्तियां, सामाजिक विच्छिन्नीकरण। **भारत में सामाज कार्य के क्षेत्र** : बाल विकास, युवा विकास, महिला शक्तिकरण, वृद्धों का कल्याण, शारीरिक मानसिक एवं सामाजिक रूप से बाधितो का कल्याण, पिछड़े वर्गों (अनुसूचित जातियों, जन जातियों एवं अन्य पिछड़े वर्गो) का कल्याण, ग्राम्य विकास, नगरीय सामुदायिक विकास, चिकित्सकीय एवं मनश्चिकित्सकीय समाजकार्य, औद्योगिक समाजकार्य सुरक्षा एवं अपराधी सुधार।